वर्ष-16, अंक-17
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, बुधवार, 23 अप्रैल , 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार में 26 अप्रैल से बदलेगा मौसम का मिजाज

पटना, बिहार में गर्मी का असर दिखने लगा है। वातावरण में आर्द्रता की मात्रा अधिक रहने के कारण लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, क्षोभ मंडल के निचले स्तर पर नमी की मात्रा अधिक होने तथा तापमान में वृद्धि के संयुक्त प्रभाव से महसूस होने वाले तापमान से अधिक गर्मी लोगों को परेशान करेगी। वहीं, 26 अप्रैल से 7 जिलों के लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।

अगले 24 घंटों के दौरान पटना समेत सिवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद एवं गया जिले गर्म दिन रहने के साथ (हीट वेव) लू को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। बक्सर, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद जिले में गर्म दिन रहने के साथ रात भी गर्म रहने की संभावना है।

दो से तीन दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की वृद्धि का पूर्वानुमान है। 25 अप्रैल तक प्रदेश के अलग-अलग भागों में हीट वेव की संभावना है।

26 अप्रैल से बदलेगा मौसम का मिजाज

इस दौरान गर्मी व लू से राहत के आसार नहीं हैं। वहीं, 26 अप्रैल से प्रदेश के उत्तरी भागों में मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दौरान 28 अप्रैल तक पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, शिवहर, सुपौल, अररिया, किशनगंज जिले के एक या दो स्थानों पर गरज-तड़क के साथ हल्की वर्षा की संभावना है। मंगलवार को पटना सहित अधिसंख्य भागों के अधिकतम तापमान में सामान्य से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान इस सीजन में 40 डिग्री के पार जाने के साथ 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 42.8 डिग्री सेल्सियस के साथ गया प्रदेश में सर्वाधिक गर्म स्थान दर्ज किया गया।

मंगलवार को पटना सहित दक्षिणी भागों में तापमान में वृद्धि होने से लोग गर्मी से परेशान रहे। पटना समेत आसपास क्षेत्रों में लू जैसे हालात बने रहे। भोजपुर, बक्सर, भभुआ, रोहतास, औरंगाबाद में गर्म दिन रहा।

45 पार तापमान जाने के आसार

मंगलवार से पटना सहित प्रदेश के अधिसंख्य भागों के मौसम में बदलाव आते ही लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने पूर्वानुमान जारी कर बताया कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान में चार डिग्री की बढ़ोतरी होगी। ऐसे में प्रदेश का अधिकतम तापमान 45 के पार जाने के आसार हैं।

पटना के अधिकतम तापमान की बात करें तो बीते पांच दिनों के दौरान पटना के अधिकतम तापमान में 11 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। 18 अप्रैल को पटना का अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बिहार में एससी, एसटी या ईबीसी से बनेगा सीएम

हमारे यहां...महागठबंधन में सीएम पद को लेकर पप्पू यादव का बड़ा बयान

पटना, बिहार महागठबंधन में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर अभी भी पूरे तौर पर क्लियर नहीं किया गया है, कि कौन चेहरा होगा. लेकिन, इसको लेकर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का बड़ा बयान आया है. उन्होंने कहा कि यह गठबंधन का आंतरिक मामला है और सीएम फेस को लेकर किसी भी प्रकार की दुविधा नहीं है और ना ही कोई खींचतान है. उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में तय है कि यहां एससी, एसटी या ईबीसी से ही मुख्यमंत्री बनेगा.

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद के चेहरे का मामला हमारा आंतरिक है और हमारे नेता यह तय करेंगे. हमारे गठबंधन में कोई मार-काट नहीं है. पप्पू यादव ने कहा कि हमारे यहां सीएम फाइनल है और चुनाव के बाद चुन लिया जाएगा. यह भी तय है कि बिहार में एससी-एसटी और ईबीसी से ही मुख्यमंत्री बनेगा. वहीं, पप्पू यादव ने बीजेपी को अपने निशाने पर लिया और कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है, यह शून्य पर चले जाएंगे. पप्पू यादव ने कहा कि जीतन राम मांझी और चिराग पासवान को बीजेपी परेशान करती है.

चिराग पासवान के बिहार आने की भूमिका के बारे में सांसद पप्पू यादव ने कहा कि चिराग पासवान को भाजपा ने हनुमान कहकर यूज किया है. उनके परिवार को भी तोड़ने का काम किया है. पप्पू यादव ने कहा कि जेडीयू के बड़े नेता बीजेपी से मिले हुए हैं और चिराग पासवान की पार्टी को खत्म करना चाहते हैं. बीजेपी एससी-एसटी को गुलाम के तौर पर देखना चाहती है. पप्पू यादव ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यह लोग सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस को भी नहीं छोड़ रहे हैं. इन लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है.

पप्पू यादव ने राहुल गांधी के देश के बाहर जाकर चुनाव प्रणाली और अभी भी एवं पर सवाल उठाने के मामले में कहा कि नरेंद्र मोदी भी अमेरिका गए थे. अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं और आप माइक बंद कर देते हैं. लाठी चलाएंगे तो विदेश से भी भारत के लोग रहते हैं. हम अपना पक्ष तो रखेंगे. वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के यह कहने पर कि कांग्रेस बिहार में झोला टांगने वाली पार्टी है, इस पर सांसद ने क्या कहा कि भाजपा दिलीप जायसवाल को सीएम बना देगी, यह अपनी चिंता करें कांग्रेस की नहीं. यह अगर राहुल और प्रियंका का नाम नहीं लें तो इनका खाना नहीं पचेगा.

बिहार में एक साथ 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

जयंत कांत, बाबु राम और दाराद भी सूची में शामिल

बिहार, बिहार सरकार के गृह विभाग ने अधिसूचना जारी करते हुए एक साथ 17 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इतना ही नहीं इसके साथ-साथ कुछ आईपीएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। ट्रान्सफर किये गये आईपीएस अधिकारियों में 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार दाराद, 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार जैन, 2002 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश राठी, 2007 बैच के आईपीएस अधिकारी रंजीत कुमार मिश्रा, 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी बाबू राम, 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी जयंत कांत सहित अन्य अन्य आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

1995 बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार दाराद को आतंकवाद निरोधक दस्ता का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। वह विधि-व्यवस्था के साथ-साथ विशेष निगरानी इकाई के अपर पुलिस महानिदेशक की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्तमान में अपाराध अनुसंधान विभाग (कमजोर वर्ग) के अपर पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार जैन को मद्द निषेध के अपर पुलिस महानिदेशक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। 2002 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश राठी को आर्थिक अपराध इकाई (साईबर क्राइम) के पुलिस महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार समाप्त करते हुए उन्हें विशेष शाखा के महानिरीक्षक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वह फिलहाल तकनीकी सेवा एवं संचार के पुलिस निरीक्षक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी जयंत कांत फिलहाल अपराध अनुसंधान विभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर पदस्थापित हैं। अब उन्हें राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो के पुलिस उप महानिरीक्षक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है।

पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले में बिहार के मनीष रंजन की भी मौत

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जताया दुःख

पटना, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमला हुआ जिसमें नौ सेना के लेफ्टिनेंट समेत 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पर्यटक भी शामिल हैं। इस दुखद घटना में बिहार के मनीष रंजन की भी मौत हो गई। वह हैदराबाद में आईबी कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे, जो अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ एलटीसी (जम्मू-कश्मीर) घुमने गये थे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस घटना पर दुःख जताया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की मृत्यु की सूचना दुःखद। यह घटना निंदनीय है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है। आतंक के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है।

भागलपुर में अचानक बेकाबू हुई दूल्हे की कार

DJ पर नाच रहे 5 बच्चों को कुचला; मची चीख-पुकार

भागलपुर, भागलपुर के सालपुर पंचायत स्थित काशील गांव में एक शादी समारोह में डीजे पर डांस कर रहे 5 बच्चों को दूल्हे राजा की गाड़ी ने कुचल दिया। इसके बाद पूरे माहौल में सन्नाटा छा गया। घटना सोमवार देर रात करीब 12:00 बजे की बताई जा रही है। गुड्डू सिंह के यहां लड़की की शादी थी। छोटी जमीन गांव से दूल्हे राजा की बारात आई थी।

बताया जा रहा है कि बारात दरवाजे के पास लग चुकी थी। खुशी के माहौल में डीजे के पास गांव के बच्चे डांस कर रहे थे। पीछे में दूल्हे राजा की गाड़ी खड़ी थी। इसी बीच दूल्हे राजा की कार के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और डांस कर रहे बच्चे पर गाड़ी चढ़ गई। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई। हीरालाल यादव के पुत्र गोलू कुमार के सिर के ऊपर कार का पहिया चढ़ गया।

सभी को अस्पताल पहुंचाया गया

नारायण सिंह के पुत्र आनंद कुमार हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। ग्रामीण और स्वजन की सहायता से आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों का इलाज जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज अस्पताल में कराया जा रहा है। चार बच्चों को भी चोट पहुंची है। कार चालक का पता नहीं चल पाया। दुर्घटना के बाद आक्रोश में ग्रामीणों ने कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। मामले की नजाकत को देखकर दूल्हे-दुल्हन की झटपट शादी कर दी गई। रात्रि में ही दुल्हन को लेकर दूल्हा चले गए। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि कार को थाना लाया गया है। हालांकि किसी का आवेदन नहीं मिला है।

शुरू किया 'जाति नहीं, जमात' अभियान

नीतीश के अति पिछड़ा वोटबैंक पर कांग्रेस की नजर

पटना, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भाजपा, जदयू, कांग्रेस और राजद समेत विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपनी-अनपी चुनावी तैयारियों को लॉन्च कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश के बाद बिहार में पार्टी के नेता लगातार एक्टिव हो चुके हैं। राज्य में कांग्रेस बेरोजगारी, पलायन समेत कई मुद्दों पर सीएम नीतीश के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को घेर रही है। वहीं, अब कांग्रेस ने सीएम नीतीश कुमार के अति पिछड़ा वोटबैंक में भी सेंध लगाने की कोशिश शुरू कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने बिहार में 'जाति नहीं, जमात' अभियान शुरू किया है।

क्या है अभियान का मकसद?

कांग्रेस पार्टी के ओबीसी विभाग ने बिहार में जाति नहीं, जमात अभियान आगामी चुनाव को देखते हुए लॉन्च किया है। कांग्रेस के इस अभियान का मकसद बिहार के अति पिछड़ा समुदाय को अपनी ओर लाना है। कांग्रेस की ओर से अति पिछड़ा समुदाय को ये भी भरोसा दिलाने की कोशिश कर रही है कि चुनाव में टिकट बंटवारे में उन्हें आबादी के अनुपात में हिस्सा मिलेगा।

कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने इस अभियान के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि इस अभियान का मकसद अति पिछड़ी जातियों में जागरुकता पैदा करने की कोशिश करना और उन्हें बताना है कि वह जाति नहीं, बल्कि जमात (वर्ग) के तौर पर अपने वोट का इस्तेमाल करें। अनिल जयहिंद ने ये भी कहा है कि वह इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि कांग्रेस के टिकट बंटवारे में अति पिछड़ों को आबादी के हिसाब से टिकट मिले।

नीतीश का वोट बैंक है अति पिछड़ा समुदाय

बिहार में कुछ समय पहले जातिगत सर्वेक्षण किया गया था। इस सर्वे के मुताबिक, बिहार में अति पिछड़ों की जनसंख्या करीब 36 प्रतिशत है। अति पिछड़ों को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू का मजबूत वोट बैंक माना जाता है। अनिल जयहिंद ने दावा किया है कि नीतीश कुमार की पार्टी बिखर रही है। उनके मुताबिक, कांग्रेस की कोशिश है कि अति पिछड़ों को अपने साथ लाया जाए ताकि वे भाजपा के साथ न चले जाए।

बिहार में कब है चुनाव?

साल 2025 के आखिर में बिहार में विधानसभा चुनाव का आयोजन होने वाला है। ष्टरू नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था।

सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। अनुमान के मुताबिक, नवंबर महीने की शुरुआत में बिहार में चुनाव के लिए वोटिंग होगी। बिहार में मुख्य मुकाबला भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के NDA और राजद, कांग्रेस के महागठबंधन के बीच होना है।